

Γενέθλιον τῆς Ὑπεραγίας Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου.

Рѣѣтѣò прѣвѣтїа влѣцѣи нѣшеа вѣѣи, н̄ прѣнодѣѣи мѣїи.

*Irmosy prvého kánona*  
*ZR, 2. hlas*

Ο Κανὼν τοῦ Κυρίου Ἰωάννου,  
Κανὼν ᾱ, τѣворѣнїе кнѣзѣ ѡвѣнна дамаскїна,

Ἦχος β'  
γλῶσσ β̄.

**SPEV**

### Byz 1

Δεύτε λαοί, άσωμεν άσμα Χριστώ τώ Θεώ : yxh

τώ διελόντι θάλασσαν Ε

καί οδηγήσαντι τόν λαόν όν ανήκε / D

δουλείας Αιγυπτίων, yh-a ότι δεδόξασται. yxh

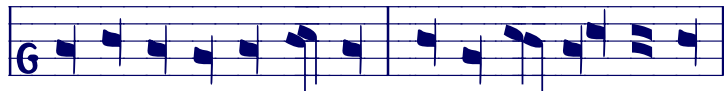


E.g.II

Δεύτε λαοί, άσωμεν άσμα Χριστώ τώ Θε-ώ,



τώ δι- ε-λόντι θάλασσαν, καί οδηγήσαντι, τόν λαόν όν α- νή-κε,



δουλείας Αιγυ-ππί-ων, ό- τι δε - δό- ξα -σται.

---

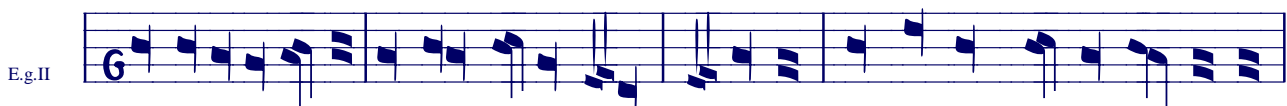
### Byz 3

Στερέωσον ημάς εν σοί Κύριε /

ο ξύλω νεκρώσας τήν αμαρτίαν, xG

καί τόν φόβον σου εμφύτευσον, yxa

εις τάς καρδίας ημών τών υμνούντων σε. xxE



E.g.II

Στερέωσον ημάς εν σοί Κύ-ρι-ε, ο ξύ-λω νε-κρώ-σας τήν α-μαρ -τί -αν,



καί τόν φόβον σου εμ-φύ-τευ-σον, τáis καρ-δί- -αις η- μών ως φιλ-αν-θρο- πος.

## Byz 4

Ακηκοα κυριε <sup>dc.h</sup>  
την ενδοξον σου οικονομ<sup>xh</sup>αν  
και εδοξασα φι<sup>a2.G2.G +5</sup>λανθρωπε  
την ακαταληπτον σου δυναμιν. <sup>yxh</sup>

E.g.II

A- -κη - κο - α    κυ - ρι - ε    την εν - δο - ξον σου οι - κο - νο - μι - αν  
και ε - - δο - ξα - σα φι - λαν - θρο - πε    την α - κα - τα - λη π - τον σου δυ - να - μιν.

## Byz 5

Ο σκιογραφον αχλύν,  
αινιγμάτων σκεδάσας,  
καί τών πιστών εκβάσει <sup>yh</sup>  
τῆς αληθείας : xG  
διά τῆς θεόπαιδος,  
καταυγάσας τās καρδίας : xG  
καί ημάς τώ φωτί σου  
Χριστέ καθοδήγησον. <sup>xxE</sup>

E.g.II

Ο σκι-ό-γρα-φον α- χλύν,    αι-νι-γ-μά-των σκε- δά-σας,  
καί τών πιστών    εκβάσει    τῆς α-λη-θεί- ας,  
διά τῆς θε-ό-παιδος,    καταυ-γά-σας τās καρ -δί-ας,  
καί η -μάς τώ φω-τί σου    Χριστέ καθο- δῆ-γη-σον.

## Byz 6

Πρός Κύριον εκ κήτους ο Ιωνάς εβόησε : xxh  
Σύ με ανάγαγε, εκ πυθμένος Άδου δέομαι, dc.h  
ίνα ως λυτρωτή\*\* εν φωνή αιγέσεως : 11G  
αληθείας τε πνεύματι θύσω σοι. yxh

E.g.II

Πρός Κύριον εκ κήτους ο Ιωνάς εβό-η-σε,

σύ με α-νά-γα-γε, εκ πυθμένος Άδου δέσποτα, (Kyrie)

ί-να ως λυ-τρω-τή, εν φω-νή αι-νέ-σε-ως,

α-λη-θεί-ας τε πνεύ-μα-τι θύ-σω σοι.

## Byz 7

Βάτος εν όρει πυράφλεκτος καί δροσοβόλος cd.d\*\*

κάμινος Χαλδαϊκή, σαφώς προγράφει σε Θεόνυμφε, xxE

τό γάρ θεϊόν άύλον aF.D εν υλική γαστρί, πύρ αφλέκτως εδέξω : xG

διό τώ εκ σου τεχθέντι κράζομεν, Ευλογητός ο Θεός ο τών Πατέρων ημών.

E.g.II



Βάτος εν όρει πυράφλεκτος, καί δροσο-βό- λος



κάμινος Χαλδαϊκή, σαφώς προγράφει σε Θε-ό - νυμ -φε,



τό γάρ θεϊ-ον ά- ύ- λον εν υ- λι-κή γα-στρί, πύρ α-φλέ -κτως ε- δέ-ξω,



δι- -ό τώ εκ σου τεχθέντι ψάλλο- μεν,



Ευλογη -τός ο Θε- -ός, ο τών Πα- τέ-ρων η-μών.

## Byz 8

Εν τῇ καμίνῳ τῆ τῶν Παιδῶν, <sup>yh</sup>

προαπεικόνισας ποτέ,

τὴν σὴν Μητέρα Κύριε : <sup>xxh</sup>

ο γάρ τύπος τούτους πυρός ἐξείλετο, <sup>xxE</sup>

αφλέκτως ἐμβατεύοντας

ἦν υμνούμεν ἐμφανισθεῖσαν διὰ σοῦ

τοῖς πέρασι σήμερον, <sup>FE.D</sup> /

καί υπερηψούμεν εἰς πάντας τοὺς αἰῶνας. <sup>xxE</sup>

E.g.II



Εν τῇ καμίνῳ τῆ τῶν Παιδῶν, προ -α-πει-κό-νι-σας πο-τέ, τὴν σὴν Μη-τέ -ρα Κύ-ρι- ε,



ο δε τύ- -πος τού-τους πυ-ρός ἐξ-εί- -λε -το,



α- φλέκ-τως ἐμ-βα- τεύ-ον-τας, ἦν υμ-νού-μεν ἐμ-φα-νι-σθεῖ-σαν δι-ά σοῦ



τοῖς πέ-ρα-σι σή-με-ρον, καί υ- περ-υ-ψού-μεν εἰς πάν-τας τοὺς αι - ώ- νας.

## Byz 9

Η τόν πρό ηλίου <sup>yxh</sup> φωστήρα τόν Θεόν εξαναιείλαντα : xxh  
σωματικώς ημίν επιδημήσαντα, xxE

εκ λαγόνων παρθενικῶν,

αφράστως σωματώσσα : xxG  
ευλογημένη πάναννε, σέ Θεοτόκε μεγαλύνομεν. xxE

E.g. II



Η τόν πρό η - λί - ου φω-στή -ρα τόν Θε- όν εξ-α- να-τεί-λαν-τα,



σω-μα- τι- κώς η- μίν ε-πι -δη-μή- σαν- τα,



εκ λα-γό- νων παρ- θε- νι- κών α- φρά-στως σω-μα- τώ- σα- σα,



ευ- λο-γη- μέ- νη πάν- αγ-νε, σέ Θε-ο- τό- κε με- γα-λύ- νο- μεν.

**RI 1**

Грѡ-дѣ-те лю-дї-е, по-ѣмъ пѣснь хрѣ-тѣ бгѣ,



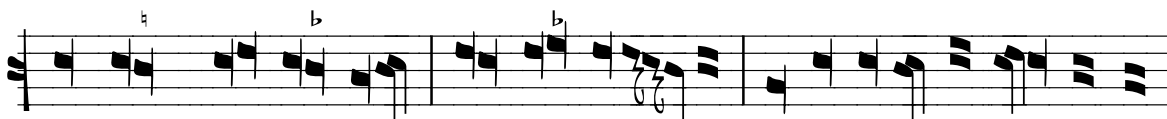
раз-дѣлѣ-ше-мъ мо-ре, и на-ста-влѣ-ше-мъ лю-ди ѣ-же и з-ве-де



и з' ра-бо-ты ѣ-гѣ-пет-скї-а, ѣ-кѡ про-ѣ-внѣ-а.

**RI 3**

Ѡ-т-вер-дѣ-нї-е нѣ-сѣ-вѣ-го-спѣ-ди, дрѣ-во-мъ Ѡ-мер-щѣ-нї-е грѣ-хѣ,



и ст-рѣ-хѣ-т-во-ѣ-вѣ-дѣ-нї-е нѣ-сѣ-вѣ-го-спѣ-ди, ѣ-кѡ ѣ-ло-вѣ-нї-е-ко-лю-бѣ-нї-е.



**RI 4**

У́-слы́ -шахъ го-спо-ди, лѣхъ тво-е-гѡ смо-тре́-ні - ѿ,



и́ про-сла-внхъ тѣ ѣ-дн-не чл- вѣ-ко-лю- бче.



Ѹ-слы- -ша го-спо-ди сла-но-е тво-е смо-тре́-ні- -е



и́ про-сла-внѣ ми-ло-се-де не-по-сти-жн-мѡ-ю тво-ю си-лѡ.

**RI 5**

Сѣн-но-пн-сн-ный мрѣкъ га-дѡ-ннй ра-зо-рѣвъ,



и́ вѣр-ныхъ прн-бы-тї-емъ и́-стн-ны,



бо-го-отро-ко-вн-це-ю ѡ-за-рѣвъ сер-ца,

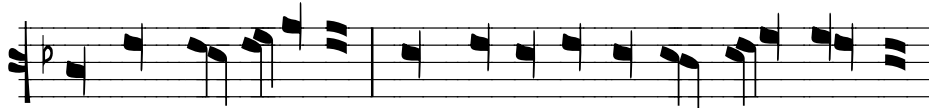


и́ насъ свѣ-томъ тво-имъ хр-тѣ, на-ста-вн.

**RI 6**



**К**О ГО-СПО-ДѸ ѿ КНІ-ЦА І- ѿ- НА ВО-ЗО- ПНІ:



ТЫ́ МА ВОЗ-ВЕ- ДНІ ІЗ' ГЛѸ-БН-НЫ́ А- ДА МО- ЛЮ- СѸ,



ДА ІАКѠ ІЗБѸВН-ТЕ- ЛЮ ВО ГЛѸ-СѸ ХВА-ЛѸ- НИ - Ѹ,



ІС-ТН-НЫ́ ЖЕ ДХОМЪ ПО-ЖРѸ ТЕ- БѸ.

**RI 7**



ΚΥ\_ ΠΗ\_ ΝΑ\_ ΒΥ\_ ΓΟ\_ ΡΤΒ̣̣̣ Ὁ\_ Γ\_ ΝΕ\_ ὠ\_ ΠΑΛ'ΝΑ\_ Λ\_ ἦ\_ ΡΟ\_ ΕΟ\_ ΝΟΕ\_ ΝΑ\_ Λ\_



ΠΕ\_ ΨΙ\_ Β\_ ΧΑ\_ Λ\_ ΔΕ\_ Ψ\_ ΣΚΑ\_ Λ\_ , ἴ\_ Α\_ Β\_ ΤΒ̣̣̣ ΠΡΕ\_ Δ\_ ΠΗ\_ ΛΑ\_ Τ\_ Λ\_ Ε\_ Γ\_ Ο\_ ΝΕ\_ Β\_ ΤΒ̣̣̣ - Ε\_ Τ\_ Ο\_ ,



ΒΟ\_ - ΖΕ\_ ΣΤΒΕ"ΝΥ\_ Η\_ ΒΟ\_ ΝΕ\_ ΒΕ\_ ΨΕ\_ ΣΤΒΕ"ΝΥ\_ Η\_ Β'ΒΕ\_ ΨΕ\_ ΣΤΒΕ"ΝΥ\_ Η\_ Β\_ Μ\_ Ζ\_ Υ\_ ΡΕ\_ Β\_ ΤΒ̣̣̣ ,



Ὁ\_ Γ\_ ΝΗ\_ ΝΕ\_ ὠ\_ ΠΑΛ'ΝΩ\_ ΠΡῒ\_ Δ\_ ΛΑ\_ Ε̣' \_ Σ\_ Η\_ .



Τ\_ ΤΒ̣̣̣ Μ\_ - - - ΖΕ\_ ἦ\_ Ζ' \_ ΤΕ\_ ΒΕ\_ ΡΟ\_ Ζ\_ Δ\_ ΣΗ\_ Ε\_ Μ\_ Ζ\_ Ε\_ Λ\_ ΠΟ\_ Ε\_ Μ\_ Ζ\_ :



Ε\_ Λ' \_ ΓΟ\_ Ε\_ ΛΟ\_ ΒΕ\_ Ν\_ Ζ\_ Β\_ ΤΒ̣̣̣ Ὁ\_ - Τ\_ Ε\_ Ψ\_ Ζ\_ ΝΑ\_ - ΣΗ\_ Χ\_ Ζ\_ .

**RI 8**

Въ пе-щнѣ ѿ-про-че-стѣи про-во-бра-зѣнъ ѿ-и-но-гда



тво-ю ма-те-р-ю по-ди,



ѿ-бра-зъ же и-а и-зъ ѿ-гна и-зъ-и-ма-ше,



не-во-п-ла-н-но въ-хо-дѣ-щи-а, ю-же по-емъ я-ва-ш-ю-са то-бо-ю



кон-цѣмъ днѣсь, и пре-во-з-но-симъ во-вѣ-к-и.

**RI 9**

Ѳ́-же прѣ-жде сѣн-ца свѣ-тѣлѣни-ка вѣа воз-сѣ-ав-ша-го,



плѣт-скѣ к<sup>ъ</sup> намъ прѣ-шед-ша-го



и́зъ во-к<sup>ъ</sup> дѣл<sup>ъ</sup> не-из-ре-чѣн<sup>ъ</sup>во-плотѣ-ша-а,



бл҃гоговѣ<sup>н</sup>на-а все-ѣ-та-а, тѣ-бѣ-е ве-ли-чѣ-емъ.